**A–0615**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# MAJY-601

## MA Jyotish (MAJY)

## होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन-01

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

**नोट :–** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

### खण्ड–क

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** (2×19=38)

**नोट :–** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सोदाहरण षड्वर्ग का विवेचन कीजिए।

2. सोदाहरण विंशोपक बल साधन कीजिए।

3. ग्रहों की अवस्थाओं पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

4. द्वादश राशियों का स्वरूप लिखिए।

5. ज्योतिषशास्त्र का परिचय देते हुए होरा स्कन्ध का महत्व निरूपित कीजिए।

## खण्ड–ख

### लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

**नोट :–** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्रों की ध्रुवादि संज्ञाएँ लिखिए।

2. द्वादश भावों का परिचय एवं उनके कारक ग्रह लिखिए।

3. पञ्चधा ग्रह मैत्री निरूपति कीजिए।

4. सोदाहरण द्वादश भाव साधन कीजिए।

5. ग्रहों की आत्मादि संज्ञाएँ लिखिए।

6. ग्रहों की विभिन्न दृष्टि लिखते हुए विशेष दृष्टि का भी विवेचन कीजिए।

7. कालपुरुष के शरीर में द्वादश राशियों के स्थान को सप्रमाण निरूपित कीजिए।

8. ग्रहबल के बारे में विस्तार से लिखिए।

**********